

क्रेग रॉबर्टसन, पूर्व-कैथोलिक, कनाडा (2 का भाग 2): स्वीकार करना सीखना

रेटिंग:

विवरण:

श्रेणी: [लेख नए मुसलमानों की कहानियां पुरुष](#)

द्वारा: Craig Robertson

पर प्रकाशित: 04 Nov 2021

अंतिम बार संशोधित: 04 Nov 2021

मुझे आज भी एक मुसलमान से पहली मुलाकात याद है। लड़कों में से एक अपने दोस्त को 'युवा घर' ले आया। वह एक मुस्लिम बच्चा था जिसका नाम मैं भूल गया हूं। मुझे जो याद आता है वह यह है कि लड़का कह रहा था "मैं अपने इस दोस्त को लाया, वह एक मुसलमान है और मैं उसे ईसाई बनने में मदद करना चाहता हूं।" मैं इस 14 साल के बच्चे से बिल्कुल चकित था, वह शांत और मलिनसार था! मानो या ना मानो, उसने एक दर्जन ईसाइयों के खिलाफ अपना और इस्लाम का बचाव किया, जो उस को और इस्लाम को गालियां दे रहे थे! जब हम वहां बैठे हुए अपनी बाईबलों को उलट-पुलटकर देख रहे थे और क्रोधित रहे थे, वह वहीं बैठे हुए चुपचाप मुस्कुराता रहा और हमें ईश्वर के अलावा दूसरों की पूजा करने के बारे में बताता रहा और हां, इस्लाम में प्यार कैसे करें। वह एक दर्जन लकड़बग्घों से घरी हरिण की तरह था, फरि भी पूरे समय, वह शांत और मलिनसार और सम्मानजनक था। इस घटना ने मेरा दमिग घुमा दिया!

मुस्लिम बच्चे ने कुरआन की एक प्रतिशेल्फ पर छोड़ दी, या तो वह इसे भूल गया या इसे जानबूझकर छोड़ दिया, मुझे नहीं पता, लेकिन मैंने इसे पढ़ना शुरू कर दिया। मैं जल्द ही इस पुस्तक से क्रोधित हो गया जब मैंने देखा कि यह बाइबल से अधिक समझ में आता है। और मैंने उसे खाट पर फेंका, और क्रोध से थरथराता हुआ चला गया; फरि भी, इसे पढ़ने के बाद, मुझे अपने मूल में एक छोटा सा संदेह था। मैंने मुस्लिम बच्चे के बारे में भूलने की पूरी कोशिश की और यूथ हाउस में अपने दोस्तों के साथ अपने समय का आनंद लिया। युवा समूह सप्ताहांत पर विभिन्न चर्चों में प्रार्थना कार्यक्रमों में जाता था और शनिवार की रात बार के बजाय एक विशाल चर्च में बताई जाती थी। मुझे याद है कि मैं 'द वेल' नामक एक ऐसे कार्यक्रम में था और मैंने खुद को ईश्वर के बहुत करीब महसूस किया और खुद को विनिम्र

करना चाहता था और अपने नरिमाता को उसके लिए अपना प्यार दखिना चाहता था। मैंने वही कथिा जो स्वाभावकि लगा, मैंने साष्टांग प्रणाम कथिा। मैंने सजदा कथिा जैसे मुसलमान हर रोज़ की प्रार्थना में करते थे, फरि भी मुझे नहीं पता था कि मैं क्या कर रहा हूं, मुझे बस इतना पता था कि यह वास्तव में मुझे यह अच्छा लगा ... मैंने बहुत पवतिर और आध्यात्मकि महसूस कथिा और अपने रास्ते पर चलता रहा लेकिन हमेशा की तरह, चीजों को फसिलता हुआ महसूस करने लगा।

पादरी ने हमेशा हमें सखिाया कि हमें अपनी इच्छा को ईश्वर के अधीन करना चाहिए, और मैं ऐसा करने के अलावा और कुछ नहीं चाहता था; लेकिन मुझे नहीं पता था कि कैसे! मैंने हमेशा प्रार्थना की "ईश्वर कृपा करो, मेरी इच्छा को अपना बनाओ, मुझे अपनी इच्छा का पालन करने वाला बनाओ" और भी बहुत कुछ, लेकिन कुछ भी नहीं हुआ। जैसे-जैसे मेरा वशिवास कम होता जा रहा था, मैंने महसूस कथिा कि मैं धीरे-धीरे चर्च से दूर जा रहा हूं। यह इस समय था कि मेरा सबसे अच्छा ईसाई दोस्त, जसिने मुझे मसीह के पास आने में मदद की थी, उसने और मेरे एक अन्य करीबी दोस्त ने मेरी प्रेमकि के साथ बलात्कार कथिा, जसिके साथ मैं दो साल से था। मैं दूसरे कमरे में इतना नशे में था कि पिता नहीं चल पा रहा था कि क्या हो रहा है और मैं कुछ भी रोक नहीं पा रहा था। कुछ हफ्ते बाद, यह पता चला कि युथ हाउस चलाने वाले ने उन लड़कों में से एक के साथ छेड़छाड़ की जो मेरा एक दोस्त था।

मेरी दुनिया उजड़ गई! मुझे मेरे बहुत से दोस्तों ने धोखा दिया था, ऐसे लोग जो ईश्वर के करीब थे और स्वर्ग की ओर काम कर रहे थे। मेरे पास देने के लिए कुछ नहीं बचा था, मैं फरि से खाली हो गया था। मैं पहले की तरह हो गया, आँख बंद करके और बनिा किसी दिशा के, बस काम कर रहा था और सो रहा था और पार्टी कर रहा था। मैं कुछ समय बाद अपनी प्रेमकि से अलग हो गया। मेरे अपराधबोध, क्रोध और उदासी ने मेरे पूरे अस्तित्व को घेर लिया। मेरा सृष्टिकर्ता मेरे साथ ऐसा कैसे होने दे सकता है? मैं कतिना स्वार्थी था?!

थोड़ी देर बाद, काम पर मेरे मैनेजर ने मुझसे कहा कि एक "मुसलमान" हमारे साथ काम करेगा, वह वास्तव में धार्मकि है और हमें उसके आसपास सभ्य होने की कोशिश करनी चाहिए। जैसे ही यह "मुसलमान" आया, उसने दावा शुरू कर दिया। उन्होंने हम सभी को इस्लाम के बारे में बताने में कोई समय बर्बाद नहीं कथिा और सभी ने उससे कहा कि वो इस्लाम के बारे में कुछ भी नहीं सुनना चाहते हैं, सविाय मेरे! मेरी आत्मा रो रही थी और मेरी जदि भी रोने को नहीं दबा सकती थी। हमने साथ काम करना शुरू कथिा और अपने-अपने वशिवासों पर चर्चा की। मैंने ईसाई धर्म को पूरी तरह से छोड़ दिया था, लेकिन जब उसने मुझसे सवाल पूछना शुरू कथिा, तो मेरा वशिवास बढ़ गया और मुझे लगा कि मैं इस बुराई (मुसलमान) से वशिवास की रक्षा करने वाला एक 'क्रूसेडर' हूं।

तथ्य यह था कि यह वशिष्ठ "मुसलमान" बुरा नहीं था जैसा मुझे बताया गया था। वास्तव में, वह मुझसे बेहतर था। वह कसम नहीं खाता, वह कभी क्रोधित नहीं हुआ और हमेशा शांत, दयालु और सम्मानजनक था। मैं वास्तव में प्रभावित हुआ और मैंने फैसला किया कि यह एक उत्कृष्ट ईसाई बनेगा। हम एक-दूसरे के धर्मों के बारे में बातें पूछते रहे, लेकिन एक समय के बाद मुझे लगा कि मैं और अधिक रक्षात्मक हो रहा हूँ। एक समय पर, मैं बहुत क्रोधित हो गया... यहाँ मैं उसे ईसाई धर्म की सच्चाई के बारे में समझाने की कोशिश कर रहा था, और मुझे लगा कि यह वही है जो सत्य पर था! मैं अधिक से अधिक भ्रमति महसूस करने लगा और मुझे नहीं पता था कि क्या करना है। मुझे बस इतना पता था कि मुझे अपना विश्वास बढ़ाना है, इसलिए मैं अपनी कार में बैठ गया और 'द वेल' की ओर बढ़ गया। मुझे विश्वास था कि अगर मैं वहाँ फरि से सिर्फ प्रार्थना कर लूँगा, तो मुझे भावना और दृढ़ विश्वास वापस मिल सकता है और फरि मैं मुस्लिम को परिवर्तित कर सकता हूँ। मैं अंततः वहाँ बहुत तेज गति से पहुँच गया, और पाया कि यह बंद था! कोई भी दिखाई नहीं दे रहा था, मैं इसी तरह के एक और समारोह के लिए चारों ओर देखने लगा ताकि मैं 'चारज अप' कर सकूँ लेकिन कुछ भी नहीं मिला। निराश होकर मैं घर लौट आया।

मुझे एहसास होने लगा कि मुझे एक नशिबिती दशिा में धकेला जा रहा है, इसलएि मैंने अपने सृष्टकिरता से बार-बार प्रार्थना की कि मैं अपनी इच्छा उसके सामने समर्पण कर दूं। मुझे लगा कि मेरी प्रार्थना का उत्तर दिया जा रहा है; मैं घर गया और बसितर पर लेट गया और उस पल मुझे एहसास हुआ कि मुझे पहले की तरह प्रार्थना करने की जरूरत है। मैं बसितर पर बैठ गया और रोया, '????, ?????, ?????, ?? ?? ??, ?????, ????? ?????????????, ?????, ????? ????? ?????????? ??! ????? ????? ????? ????? ?????? ?? ?? ?? ????? ????? ????????? ?? ?????????? ????? ?????????? ????? ?????? ?????, ?? ??? ?? ????????? ??, ?? ????? ????? ????? ?? ??' मैंने प्रार्थना करना बंद कर दिया और आंसू चले गए और मेरी आत्मा के भीतर गहरी शांति मिहसूस हुई, मुझे पता था कि जिवाब क्या था। मैं अगले दनि काम पर गया और मुस्लमि भाई से कहा, "मैं आपको 'नमस्कार' कैसे कहूं?" उसने मुझसे पूछा कि मेरा क्या मतलब है और मैंने कहा, "मैं मुसलमान बनना चाहता हूं।" उसने मेरी तरफ देखा और कहा "अल्लाहु अकबर!" हम एक या दो मनिट के लएि गले मलिे और मैंने उसे हर चीज के लएि धन्यवाद दिया और मैंने इसलाम में अपनी यात्रा शुरू की।

मैं अपने जीवन में समय के साथ हुई सभी घटनाओं को देखता हूँ, और मुझे एहसास होता है कि मुझे मुसलमान बनने के लिए तैयार किया जा रहा था। ईश्वर ने मुझ पर बहुत दया दिखाई। मेरे जीवन में जो कुछ भी हुआ, उसमें से कुछ सीखने को मिला। मैंने मादक पदार्थों के इस्लामी नषिध, अवैध सेक्स के नषिध और हजिाब की आवश्यकता की सुंदरता सीखी। अंत में, मैं संतुलित हूँ, अब मैं एक दशा में बहुत ज्यादा नहीं हूँ; मैं एक उदारवादी जीवन जी रहा हूँ और एक सभ्य मुसलमान बनने की पूरी कोशिश कर रहा हूँ।

हमेशा चुनौतियां होती हैं, जैसा कि मुझे यकीन है कि आप में से कई लोगों ने महसूस किया है, जैसा मैंने किया है। लेकिन इन चुनौतियों के माध्यम से, इन भावनात्मक दर्द के माध्यम से, हम मजबूत होते हैं; हम सीखें और, मुझे आशा है, ईश्वर की ओर मुड़ें। हममें से जिनोंने अपने जीवन में कभी ना कभी इस्लाम स्वीकार किया है, हम वास्तव में धन्य और भाग्यशाली हैं। हमें मौका दिया गया है, सबसे बड़ी दया का मौका! दया जिसके हम पात्र नहीं हैं, फिर भी जी उठने के दिन ईश्वर की इच्छा से हमें दी जाएगी। मैंने अपने परिवार के साथ मेल-मिलाप कर लिया है और अपने ईश्वर की इच्छा से कार्य करना शुरू कर दिया है। इस्लाम वास्तव में जीवन जीने का एक तरीका है, और भले ही हमारे साथी मुसलमान या गैर-मुसलमान हमारे साथ खराब व्यवहार करें, हमें हमेशा धैर्य रखना चाहिए और सिर्फ ईश्वर की ओर मुड़ना चाहिए।

यदि मैंने कुछ गलत कहा है, तो वह मेरी ओर से है, और यदि मैंने जो कुछ भी कहा है वह सही है तो वह ईश्वर की ओर से है, सभी प्रशंसाएं ईश्वर के लिए हैं, और ईश्वर अपने महान पैगंबर मुहम्मद पर अपनी दया और आशीर्वाद प्रदान करें, "आमीन।"

ईश्वर हमारी आस्था को बढ़ाए और हम वो करें जो ईश्वर को अच्छा लगे और ईश्वर हमें अपना स्वर्ग प्रदान करे, आमीन!

इस लेख का वेब पता:

<https://www.islamreligion.com/hi/articles/456>

कॉपीराइट © 2006-2020 सभी अधिकार सुरक्षित हैं। © 2006 - 2023 IslamReligion.com. सभी अधिकार सुरक्षित हैं।